उत्तर प्रदेश में भी लगेगी सेमी कंडक्टर निर्माण की इकाई

- हीरानंदानी समूह सेमी कंडक्टर चिप निर्माण में कदम रखने को तैयार
- समूह ने मांगी 100 एकड़ जमीन, पहले फेज में 2500 करोड़ का निवेश

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : हीरानंदानी समूह डाटा सेंटर के बाद सेमी कंडक्टर चिप निर्माण में कदम रखने जा रहा है। यह प्रदेश में पहली सेमी कंडक्टर चिप निर्माण इकाई होगी। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में इकाई लगाने के लिए समूह ने सौ एकड़ जमीन मांगी है। पहले चरण में करीब 2500 करोड़ का निवेश होगा। यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर 28 में डाटा पार्क के पास जमीन देने पर सैद्धांतिक सहमति जताई है। देश में इसके निर्माण से इलेक्ट्रानिक उपकरणों की कीमतों में कमी आएगी।

स्मार्ट फोन, टीवी से लेकर कार तक, सभी में प्रयुक्त होने वाली इलेक्ट्रानिक डिवाइस में सेमी कंडक्टर चिप का उपयोग होता है, लेकिन भारत की सेमी कंडक्टर चिप के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता है, इसलिए इलेक्ट्रानिक उपकरणों का निर्माण भी प्रभावित हो रहा है। सेमी कंडक्टर चिप निर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए गुजरात के बाद यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में सेमी कंडक्टर इकाई लगाने के लिए हीरानंदानी समूह ने प्रस्ताव दिया है। सभी अप्रूवल मिलने के बाद दो साल में ये इकाई क्रियाशील हो जाएगी। यमुना प्राधिकरण सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि हीरानंदानी समूह की ओर से प्रस्ताव मिला है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत जमीन का आवंटन किया जाएगा। सेमी कंडक्टर इकाई के लिए पानी की उपलब्धता पहली शर्त है। इकाई के पहले फेज में दो लाख लीटर प्रति घंटा पानी की जरूरत होगी। तीनों फेज में प्रति घंटा सात लाख 50 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होगी। इसके साथ ही 50 मेगावाट बिजली की जरूरत होगी।

सेमी कंडक्टर इकाई में निवेश के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। गुजरात में वेदांता व फाक्सकान मिलकर सेमी कंडक्टर इकाई लगा रहे हैं।

सेमी कंडक्टर की तेजी से बढ़ रही मांग

भारतीय सेमी कंडक्टर बाजार की 2021 में मूल्य 27 .2 अरब डालर था। 2026 तक 80 अरब डालर के सेमी कंडक्टर कारोबार का अनुमान है। 2030 तक यह आंकड़ा 110 अरब डालर तक पहुंच जाएगा। दुनिया में सेमीकंडक्टर निर्माण में 12 प्रतिशत हिस्सेदारी अमेरिका की है। इसके अलावा चीन, ताइवान आदि देश भी दुनिया भर में सेमी कंडक्टर चिप का निर्यात करते हैं।